धर्म

30 वर्षों बाद बना सोमवती अमावस्या और पुरुषोत्तम मास का दुर्लभ संयोग

मां नर्मदा में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

अनूपपुर, नवभारत 15 जून। सोमवती अमावस्या, मिथुन संक्रांति और पुरुषोत्तम मास के समापन का दुर्लभ महासंयोग सोमवार को अमरकंटक में श्रद्धा और आस्था के महापर्व के रूप में देखने को मिला। मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र नर्मदा जल में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया, वहीं सुहागिन महिलाओं ने पीपल और वट वृक्षों की 108 परिक्रमा कर अपने पति की दीर्घायु एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व होता है, लेकिन इस वर्ष यह तिथि कई शुभ संयोगों के साथ आई। धर्माचार्यों के अनुसार लगभग 30 वर्षों बाद पुरुषोत्तम (अधिक) मास में सोमवती अमावस्या का संयोग बना। इसके साथ ही पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिन मिथुन संक्रांति होने से पर्व का

धार्मिक महत्व और बढ़ गया। शास्त्रों में अमावस्या और संक्रांति के एक साथ पड़ने को 'विषु संक्रांति' कहा गया है, जिसे अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। रामघाट, पुष्कर बांध, कोटितीर्थ कुंड और आरंडी संगम सहित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने स्नान कर जप, तप, ध्यान, दान और पूजन-अर्चन किया। इसके बाद मां नर्मदा उद्गम मंदिर में दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की कामना की।

सुहागिनों ने की 108 परिक्रमा

सोमवती अमावस्या के अवसर पर जिलेभर में सौभाग्यवती महिलाओं ने पीपल एवं वट वृक्ष का विधि-विधान से पूजन किया। महिलाओं ने वृक्षों में जल अर्पित कर मौली (कलावा) बांधा और 108 परिक्रमा लगाकर पति की लंबी आयु तथा परिवार के सुखद भविष्य की प्रार्थना की। अमरकंटक के नर्मदा मंदिर परिसर, रामघाट और आसपास स्थित पीपल एवं वट वृक्षों के पास दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही।

स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठानों का मिला विशेष फल

धर्माचार्यों ने बताया कि इस विशेष अवसर पर किया गया स्नान, जप, तप, दान, हवन, पूजन और दीपदान अक्षय फल प्रदान करने वाला माना जाता है। श्रद्धालुओं ने सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित किया तथा अपने इष्टदेवों का पूजन और मंत्रजाप किया। कई स्थानों पर हवन-पूजन और धार्मिक आयोजनों का भी आयोजन हुआ। लोगों ने अन्नदान, वस्त्रदान, गौसेवा और जरूरतमंदों की सहायता कर पुण्य अर्जित किया।

श्रद्धा और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम

सोमवती अमावस्या, मिथुन संक्रांति, विषु संक्रांति और पुरुषोत्तम मास के दुर्लभ महासंयोग ने अमरकंटक में श्रद्धा, आस्था और सनातन संस्कृति का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया। मां नर्मदा के तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ भारतीय धार्मिक परंपराओं की जीवंतता और जनमानस की अटूट आस्था का प्रतीक बनी रही।

देशभर के विशेषज्ञों का हुआ समागम

नवभारत, जबलपुर। आर एंड आर एजुकेशनल एंड रिसर्च सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित एंडो डायलॉग 2026 के दूसरे दिन विविध वैज्ञानिक सत्र हुए। मुख्य आयोजक डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव एवं डॉ. ऋतु श्रीवास्तव के नेतृत्व में इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञों ने नवीनतम शोध, उपचार पद्धतियों और अनुभवों को साझा किया। सत्रों में डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. परिमल स्वामी, डॉ. विशाल कस्तवार, डॉ. आशीष डेंगरा, प्रो. डॉ. वी.के. भारद्वाज, डॉ. पुष्पराज पटेल, डॉ. दीपक बहेरानी, डॉ. संदीप सिंह, डॉ. हेमंत तिलगम, डॉ. अंशय जैन, डॉ. ब्रह्म प्रकाश, डॉ. संजय भारती, डॉ. एम.एस. जोहरी, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ. दिलीप राठौड़, डॉ. भावना धीरवानी, डॉ. दिलीप तिवारी, डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. शालिनी जग्गी, डॉ. राजीव चावला, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. सोनल रिछारिया, डॉ. सोनल साहनी, डॉ. दीपशिखा साहू, डॉ. राकेश पटेल, डॉ. ऋचा अरोरा व डॉ. हरि मंगतानी ने व्याख्यान दिए।

जर्जर पानी टंकी से वार्ड-13 में पेयजल संकट

बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

कोतमा, नवभारत 15 जून। भीषण गर्मी के बीच नगर के वार्ड क्रमांक 13 में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस वार्ड में स्थित पानी की टंकी जर्जर हालत में पहुंच चुकी है, जिसके चलते सैकड़ों परिवारों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद एसईसीएल प्रबंधन ने समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

कई बार दी गई शिकायतें नहीं हुआ समाधान

वार्डवासियों के अनुसार पानी की टंकी की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार सोशल मीडिया, मुख्यधारा के मीडिया माध्यमों तथा मौखिक रूप से एसईसीएल अधिकारियों को अवगत कराया

गया था। नागरिकों का कहना है कि टंकी की खराब स्थिति किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी, लेकिन समय रहते नई टंकी के निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं की गई।

एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ बढ़ रहा आक्रोश

पेयजल संकट को लेकर वार्डवासियों में एसईसीएल प्रबंधन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र से कोयला उत्पादन करने वाली कंपनी को यहां निवासरत लोगों की मूलभूत सुविधाओं की भी चिंता करनी चाहिए।

लोगों का आरोप है कि बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद नई पानी टंकी का निर्माण नहीं कराया गया।

आंदोलन की चेतावनी

वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया और वैकल्पिक जल व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

महिलाओं और बुजुर्गों को हुई परेशानी

क्षेत्र में नई पानी टंकी का निर्माण नहीं होने के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। भीषण गर्मी के बीच लोगों को दैनिक उपयोग के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कई परिवारों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।

ढाबों पर सज रही अवैध शराब की महफिल

कोतमा, नवभारत 15 जून। नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आबकारी एवं पुलिस विभाग की कथित उदासीनता के चलते अवैध शराब का कारोबार तेजी से पैर पसार रहा है आलम यह है कि मुख्य मार्ग से लेकर अंदरूनी इलाकों में संचालित कई ढाबों पर बिना किसी डर के अवैध रूप से शराब परोसी और बेची जा रही है, जिससे स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

देर रात तक झलकते हैं जाम, सुरक्षा पर सवाल

स्थानीय सूत्रों के अनुसार कोतमा नगर के कुछ चिन्हित ढाबों में न केवल अवैध रूप से शराब

उपलब्ध कराई जा रही है, बल्कि वहां बकायदा पीने की व्यवस्था भी दी जा रही है। देर शाम होते ही इन ढाबों पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा शुरू हो जाता है, जो देर रात तक चलता है इसके कारण मुख्य मार्गों से गुजरने वाली महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे है।

आबकारी विभाग मौन

क्षेत्रीय जनता का आरोप है कि इस पूरी अवैध गतिविधि की जानकारी होने के बावजूद आबकारी विभाग मूकदर्शक बना हुआ है विभाग द्वारा इन ढाबों पर कोई ठोस या औचक कार्रवाई न किए जाने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं लोगों का कहना है कि पुलिस द्वारा समय-समय पर छिटपुट कार्रवाई की जाती है, लेकिन मुख्य रूप से जिम्मेदार आबकारी अमले की सुस्ती समझ से परे है

बढ़ रहा है आक्रोश

ढाबों पर चल रहे इस अवैध मधुशाला के खेल से स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है सजग नागरिकों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि कोतमा नगर के संदिग्ध ढाबों पर तत्काल छापामार कार्रवाई की जाए।

विकास कार्यों की सीईओ ने की समीक्षा

जल संरक्षण एवं पौधरोपण गैप फिलिंग के दिए निर्देश

अनूपपुर, नवभारत 15 जून। जनपद अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरा के सभागार में ग्रामीण विकास विभाग के बदरा क्लस्टर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए सीईओ अर्चना कुमारी ने सभी ग्राम

पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों से कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि वर्षा जल के संरक्षण और भू-जल स्तर में वृद्धि के प्रयासों को मजबूती मिल सके। उन्होंने एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत हितग्राही मूलक पौधारोपण की समीक्षा करते हुए जहां-जहां पौधारोपण में कमी है, वहां गैप फिलिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही लगाए गए पौधों की सुरक्षा, समय पर खाद उपलब्ध कराने तथा नियमित सिंचाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि पौधों की बेहतर वृद्धि हो सके। बैठक में मनरेगा के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों, पौधारोपण एवं जल संरक्षण योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

रक्तदान शिविर : युवाओं ने किया 100 यूनिट रक्त संग्रह

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर की प्रमुख सामाजिक संस्थाओं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो), योगमणि ट्रस्ट, सक्षम, जेसीसी जैन क्रिकेट क्लब और यूनिपैथ के संयुक्त तत्वावधान में त्रिवेणी हेल्थकेयर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में स्थानीय समाजसेवियों और युवाओं के उत्साहपूर्ण सहयोग से कुल 100 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. जितेंद्र जमदार, डॉ. पवन, संस्थापक सुबोध चौधरी और राहुल बड़कुल द्वारा

दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने इस पूरे अभियान को समाजहित में एक बेहद महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल बताया।

एक नजर में

डॉ. राघवैया का जन्मदिन प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया

अनूपपुर, नवभारत 15 जून। भारतीय रेल कर्मचारियों के हितों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले तथा 12 लाख रेल कर्मचारियों की मजबूत आवाज माने जाने वाले एनएफआईआर (नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन) के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एम. राघवैया का 92वां जन्मदिन 15 जून को पूरे भारतीय रेल के विभिन्न जोनों में प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। एनएफआईआर के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव एवं रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने बताया कि रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के निर्देश तथा बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष एवं उपमंडल समन्वयक बिलासपुर रवि धल के नेतृत्व में जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के प्रेम रूम में आयोजित कार्यक्रम में जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. राघवैया के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए केक काटा गया तथा उपस्थित कर्मचारियों और पदाधिकारियों के बीच मिठाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. एम. राघवैया के रेल कर्मचारियों के हितों की रक्षा, श्रमिक अधिकारों के संरक्षण तथा संगठन को सशक्त बनाने में दिए गए योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राघवैया का जीवन रेल कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनका मार्गदर्शन सदैव संगठन को नई दिशा देता रहेगा।जन्मोत्सव कार्यक्रम में रेलवे मजदूर कांग्रेस के केंद्रीय कोषाध्यक्ष साई किरण, जी.एस. आईच, शुभम उपाध्याय, शाखा सचिव राना नंदी, पवन उइके, लोकनाथ पटेल, करंजी शाखा अध्यक्ष मनीलाल राजवाड़े, सी. श्रीनिवासराव, गब्बर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।

टीईटी से छूट की मांग को लेकर18 को प्रदर्शन

प्रधानमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

अनूपपुर, नवभारत 15 जून। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट की मांग को लेकर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। संघ के आह्वान पर जिले के शिक्षक 18 जून को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करेंगे और प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष संजय निगम ने बताया कि राष्ट्रीय संगठन अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर देशभर में यह आंदोलन चलाया जा रहा है। संघ का मुख्य मुद्दा वर्ष 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से छूट दिलाना है।

संघ के अनुसार 29 मई 2026 को आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए भी टीईटी अनिवार्य हो गई है। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के समक्ष नई चुनौती खड़ी हो गई है। शिक्षक संघ का कहना है कि न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए भी इस समस्या का समाधान विधायी स्तर पर किया जाना आवश्यक है।

संघ ने मांग की है कि केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में विशेष विधेयक लाकर वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी छूट प्रदान करे। इसी मांग को लेकर 18 जून को शाम 4 बजे कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा।

जिला अध्यक्ष संजय निगम ने जिले भर के शिक्षकों से आंदोलन में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह केवल शिक्षकों के अधिकारों का ही नहीं, बल्कि उनके भविष्य और परिवारों की सुरक्षा का भी सवाल है। शिक्षक संघ ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है।

सेंट अन्टोनी का महापर्व

नवभारत, जबलपुर। पेन्टीनाका स्थित सेंट पीटर एंड पॉल महागिरजाघर में सेंट अन्टोनी का महापर्व जबलपुर के समस्त भक्तों की पावन उपस्थिति मे संपन्न हुआ। इस महापर्व का आरंभ नोविना एवं झंडा चढ़ाने की विधि के साथ दिनांक 4 जून से आरंभ हुआ था ,, 9 दिनों की नोविना प्राथना के साथ आज सेंट अन्थोनी के आदर मे झंडा उतारा गया।

जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता पर गहन चर्चा

नवभारत, जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) डिस्पेंसरी क्रमांक-1 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय चौहान की अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न हुई। इसमें सीनियर सिटीज़न संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि अनिल शुक्ला, गुरमुख दास, कृपा शंकर शर्मा, घनश्याम सोनकर और विनोद बैन शामिल हुए। बैठक में लाभार्थियों के स्वास्थ्य मुद्दों, जेनरिक दवाओं के बेअसर होने और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर गंभीर चर्चा हुई। मांग की गई कि विशेषज्ञों द्वारा लिखी दवाएं ही मिलें। मेडिसन सप्लायर आशीष ठाकुर की मौजूदगी में तय हुआ कि लोकल परचेस में डॉक्टरों द्वारा पर्चे पर लिखी मूल दवाईयां ही सप्लाई की जाएं। डॉ. अजय चौहान ने नव नियुक्त डॉ. शैलेन्द्र सराफ का परिचय कराया और डिस्पेंसरी में डिस्प्ले बोर्ड संचालन की जानकारी दी, जिससे पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को सुविधा मिलेगी।

शास्त्रीय नृत्य में समाहित है योग

नवभारत,जबलपुर। नृत्यांजलि कला अकादमी के तत्वावधान में नृत्य एवं योग के संगम का नृत्यमय और योगमय कार्यक्रम का आयोजन कला वीथिका संग्रहालय में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह की संयोजक नृत्य निदेशक एवं नृत्य गुरु कामना नायक ने कहा कि शास्त्रीय नृत्य में अध्यात्म निहित है। नृत्य आराधना है, नृत्य पूजा है। नृत्य की साधना करने से वुद्धि का विकास होता है। वहीं योग गुरु पंखुरी तनेजा ने नृत्य की विभिन्न मुद्राओं को बताते हुए उसमें समाहित योग की व्याख्या की और योग सिखाया। इस अवसर पर अथर्व नायक के द्वारा डिजिटल

आर्ट में बनाये गए देवताओं के नामों पर आधारित आसनों की प्रदर्शनी को सभी ने सराहा। नृत्य निदेशक अरुक्षा नायक ने नृत्य और योग के शास्त्रीय विधान पर जानकारी दी। समारोह के अतिथि शलभ नायक ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर राजेश पाठक प्रवीण सहित बड़ी संख्या में काव्य प्रेमी मौजूद रहे।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् बिजुरी, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

Phone / Fax No. : 07658-264242, Email : cmobijuri@mpurban.gov.in,

क्रं./2673/न.पा./लो.नि./2026 **ई - निविदा आमंत्रण सूचना** बिजुरी, दिनांक :- 04/06/2026

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्रं.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2026_UAD_512254_1	CONSTRUCTIONOI GAUSHALA AT WARD NO 15	184.93 लाख	92468.00	12500.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
02.	2026_UAD_512267_1	CONSTRUCTIONOF CROSS DRAINAGE WORK AT KORJA NALA WARD 13	82.02 लाख	41010.00	12500.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
03.	2026_UAD_512303_1	CONSTRUCTION OF ROC DRAIN FROM VIJAY SONKAR HOUSETORAILWAYOVER BRDGEAT KAPILDHARA	165.27 लाख	82637.00	12500.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
04.	2026_UAD_512315_1	IMPROVEMENT OF BHAWANIHA TALAB PHASE2 ATWARD 15	124.21 लाख	62105.00	12500.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
05.	2026_UAD_512341_1	PROVINDING AND FIXING OF PAVER BLOCKS AT C BLOCK WARD NO. 6	36.64 लाख	27481.00	5000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
06.	2026_UAD_512346_1	CONSTRUCTION RCC DRAIN FROM RAJA VISHWAKARMA HOUSE TO RAMLAYAK HOUSE AT WARD 4	47.05 लाख	35294.00	5000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
07.	2026_UAD_512406_1	CONSTRUCTION RCC DRAIN FROM HAJI ALI HOUSE TO SCHOOL WARD 10	66.48 लाख	49861.00	10000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
08.	2026_UAD_512469_1	INSTALLATION OF SOLARLIGHTAND CCTV CAMERA INCLUDINGPOLES AT WARD 02	14.12 लाख	10596.00	2000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
09.	2026_UAD_512479_1	CONSTRUCTIONOI DURGAPANDALAT WARD 08	27.39 लाख	20550.00	5000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
10.	2026_UAD_512494_1	CONSTRUCTION OF COMMUNITYHALL NEAR SARASWATI SCHOOL	8.10 लाख	8101.00	2000.00	18-07-2026 (17:30 HRS)
11.	2026_UAD_512503_1	CONSTRUCTION OF SHED AT BUST STANDATWARDN O 4 MINERS TIRAHA	5.87 लाख	5876.00	2000.00	18-07-2026 (17:30 HRS)
12.	2026_UAD_512504_1	CONSTRUCTION OF CRICKET BOX AT WARD NO 4	15.01 लाख	11260.00	2000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
13.	2026_UAD_512507_1	CONSTRUCTION OF SANSKRITIK PANDAL AT SABJI MAHDI GROUND WARD 09	17.11 लाख	12838.00	2000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)
14.	2026_UAD_512321_1	CONSTRUCTIONOF DURGAPANDALAT WARD NO 1 MAUHARI	16.94 लाख	12707.00	2000.00	03-07-2026 (17:30 HRS)

01. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी समस्त जानकारी वेबसाईट (https://mptenders.gov.in) में नि :शुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
02. बिड प्रस्तुतिकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
03. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

बहिष्कार

2018 से सेवाएं देने के बावजूद न्यूनतम मानदेय नहीं मिलने का आरोप

66 करोड़ की नल-जल योजना पर श्रमिकों का विद्रोह

अनूपपुर, नवभारत 15 जून। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम किरगी में संचालित 66 करोड़ रुपये की किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना श्रमिकों की हड़ताल के कारण विवादों में घिर गई है। योजना में कार्यरत कर्मचारियों ने संचालन एवं रखरखाव कर रही कंपनी सीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड पर कम वेतन, श्रम कानूनों के उल्लंघन और सुरक्षा सुविधाओं की अनदेखी के आरोप लगाते हुए सोमवार से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। हड़ताल के चलते योजना के पंप बंद हो गए हैं, जिससे 51 गांवों की पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है।

वर्षों से कम वेतन देने का आरोप

मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित द्वारा लगभग 66 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस योजना का उद्देश्य क्षेत्र के 51 गांवों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। कर्मचारियों का आरोप है कि वर्ष 2018 से लगातार सेवाएं देने के बावजूद उन्हें शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदेय तक नहीं दिया गया। उनका कहना है कि कई वर्षों से वेतन वृद्धि नहीं हुई, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती रही है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायतें और ज्ञापन देने के बावजूद उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सुरक्षा संसाधनों की कमी से नाराज कर्मचारी

हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस और विद्युत उपकरणों जैसे संवेदनशील स्थानों पर कार्य करने के बावजूद उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए। कर्मचारियों ने हेलमेट, दस्ताने, सुरक्षा जूते, बीमा और अन्य सुरक्षा संसाधनों की कमी का आरोप लगाया है। श्रमिकों का कहना है कि जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करने के बावजूद उनकी सुरक्षा को लेकर कंपनी गंभीर नहीं रही, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता गया।

श्री दत्त भजन मंडल द्वारा नर्मदा पूजन और अन्नदान

नवभारत, जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में दत्त भजन मंडल द्वारा विगत दिनों आयोजित पांच दिवसीय दत्तयाग यज्ञ निर्विघ्न और आनंदपूर्वक संपन्न हुआ। यज्ञ संबंधी सभी कार्य नर्मदा मैया का आशीर्वाद लेकर ही प्रारंभ किए गए। इस सफल आयोजन के बाद मां नर्मदा और संपूर्ण प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए मंडल की ओर से विशेष धार्मिक व सेवा कार्य किए गए। इसके तहत नर्मदा पूजन एवं आरती, गौशाला में गौ पूजन, चारा वितरण और गरीबों के लिए अन्नदान का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में अध्यक्ष विजय भावे, शरद आठले, मनीष वैद्य, नितिन देसाई, सुनील देशपांडे, अजय फाटक और अभय गोरे उपस्थित रहे।